दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग –सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

दिव्यांगजन के सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार, २०१६.

कृणाल राजेन्द्र जोशी (नेत्रहीन)

दृष्टिबाधित दिव्यांगता के साथ सर्वश्रेष्ठ स्वनियोजित (पुरुष) राष्ट्रीय पुरस्कार

श्री कृणाल राजेन्द्र जोशी (नेत्रहीन) जिन्हें माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के हाथों से राष्ट्रीय पुरस्कार २०१६ से उनकी उत्कृष्ट सृजकता की सिध्धि के फलस्वरूप दिनांक ३ दिसम्बर २०१६ के रोज दिल्ली में सम्मानित किया गया.

श्री कृणाल जन्म से ही १०० प्रतिशत नेत्रहीन है. दिव्यांग होने के बावजूद इन्होने बी ए संस्कृत साहित्य में एम ए धर्मशास्त्र और पुराण में एम ए – आचार्य (पुराण) गोल्ड मैडल प्राप्त किया है एवं संगीत विशारद भी किया है. श्री कृणाल ने रामचरित मानस, गीता एवं पुराणों पर उपदेश देते हुए उन्होंने स्वयं को धार्मिक उपदेशक और कथाकार के रूप में स्थापित किया है.

श्री स्वामीनारायण संस्थान (अहमदाबाद), विवेकानंद सेंटर – कन्याकुमारी एवं अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों में पुराण पर प्रवचन दिया है. श्री कृणाल ने 'शिव महिमा' नाम से गुजराती और हिंदी में पुस्तक प्रकाशित की है. जिसकी व्यापक रूप से प्रशंसा हुई है. दिव्यांग होने के पश्चात् इन्होने स्वयं के लिए समाज में एक बहुत सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने के लिए श्री कृणाल राजेन्द्र जोशी (नेत्रहीन) को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है.

****